



—: सम्बन्धित संस्थान :-
माँ भगवती इण्टर कालेज
 कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग
 बहिपरा, बदौली (हरदोई)

Manglam HDI #6386791477

PROSPECTUS



Maa Bhagwati Degree College

AFFILIATED TO LUCKNOW UNIVERSITY, LUCKNOW

VILL. BAHIPARA, BADUALI, DISTT.-HARDOI (U.P.) 241001

Mob. 7753901140, 7753901142, 7753901149, 7753901144
 email-maabhagwatimahavidyalaya@gmail.com



“कीर्तियस्य स जीवति”

यशः शेष श्री रामचन्द्र तिवारी

(आविर्भाव 20 दिसम्बर 1927 तिरोभाव 29 मार्च 2010)

संस्थापक माँ भगवती डिग्री कालेज

तमसो मा ज्योतिर्गमयः

अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला एकमेव साधन है, शिक्षा आचार्य विष्णुगुप्त ने कहा था कि शिक्षक समाज की रीढ़ होता है और शिक्षित समाज देश की बुनियाद इसी तरह स्वामी विवेकानन्द ने कहा था. मानव के अंतर में छिपी शक्तियों को जगा देना ही शिक्षा है। स्मृतिशेष श्री रामचन्द्र तिवारी भले ही उच्च शिक्षा से वंचित रह गए हों, पर उन्होंने हमेशा चाहा कि इस पिछड़े इलाके में उच्च शिक्षा की व्यवस्था हो, ताकि क्षेत्र के नौनिहालों को स्तरीय शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़े। यह दुर्भाग्य है कि जीते जी वह इलाके से उच्च शिक्षा के साधन का अभाव दूर होते नहीं देख पाए। मगर, संतोष है इस बात का कि उनके कर-कमलों से जिस शिक्षण संस्थान माँ भगवती प्राइमरी पाठशाला की नींव रखी गई थी, आज वह उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर है और क्षेत्र के नौनिहालों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। उनकी आकांक्षा थी कि जल्द ही यह पिछड़ा क्षेत्र उच्च शिक्षा के सोपान को भी छुए और उनके आशीष के शुभ परिणामस्वरूप माँ भगवती इण्टरमीडिएट कॉलेज आज महाविद्यालय की विस्तारित शक्ल में आपके सामने है। हमें विश्वास है, आप स्वर्गलोक से अपनी आकांक्षाओं को जमीन पर आकार लेते देख रहे होंगे और संस्थान को अपने आशीर्वाद से अभिसिंचित कर रहे होंगे। आप अपनी संपूर्ण अच्छाइयों और प्रतिबद्धताओं के प्रतीक के तौर पर आज भी हमारे बीच हैं, हम ऐसा महसूस करते हैं। साथ ही, यह प्रतिबद्धता भी है कि आपकी आकांक्षाओं के प्रतीक इस महाविद्यालय को भी मशाल बनाएंगे क्षेत्र में अशिक्षा के तमस को मिटाने का। हम आपके सुविचारों को कभी विस्मृत नहीं कर सकते।



प्रबंधकीय-संवाद

बदलते दौर में शिक्षा का क्षेत्र भी बदलाव की बयार से अछूता नहीं है। सही मायनों में सूचना तकनीक विस्फोट से सर्वाधिक परिवर्तन शिक्षा व्यवस्था के आधारभूत ढांचे में ही हुआ है। प्राइमरी से लेकर हॉयर एजुकेशन सिस्टम का चेहरा बदल चुका है। पहले के मुकाबले प्रतिस्पर्द्धा बढ़ी है। प्रतिस्पर्द्धा के कारण ही शिक्षण संस्थानों के सामने फैंकल्टी और शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने और भविष्यगत बदलावों के दृष्टिगत उसमें निरन्तर सुधार की चुनौती है। खासकर ग्रामीण इलाके की शैक्षणिक संस्थाओं को खुद को कसौटी पर साबित करने की चुनौती है। तमाम दुश्चारियों और दिक्कतों के बीच संस्थान की पहचान बनाना आसान काम नहीं है। संस्थान छात्र-छात्राओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब होगा, तभी उसे अलग मुकाम हासिल हो सकता है, ऐसा हमारा मानना है। आज शिक्षा के क्षेत्र का दायरा बेहद विस्तृत शक्ल ले चुका है। परंपरागत और व्यावसायिक के साथ नए-नए कोर्स आ रहे हैं। ऐसे में किसी भी संस्थान के सामने पाठ्यक्रम में विविधता बनाए रखना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। हालांकि ऐसा संभव नहीं है कि एक ही संस्थान सभी तरह के कोर्स मुहैया करा सके। मगर, यह कोशिश जरूर की जा सकती है कि प्रचलित पाठ्यक्रमों के साथ बहु-उपयोगी कोर्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए संस्थान के मातृ-विश्वविद्यालय के साथ ही दूसरी ख्यातिलब्ध यूनिवर्सिटी के मान्य कोर्स मुहैया कराने की दिशा में काम किया जाएगा। हमने भी यही प्रयास किया है कि गांव-देहात के छात्र-छात्राओं की जरूरत और रुचि के अनुरूप ही पाठ्यक्रम हों, ताकि उन्हें अपने आसपास ही उच्च शिक्षा के पर्याप्त अवसर मिल सकें। यही नहीं, हमारा प्रयास संस्थान को अधिकाधिक व्यावसायिक कोर्स से लैस करने का भी है, ताकि ग्रामीण इलाके की नव-पीढ़ी रोजगारपरक शिक्षा हासिल कर अपने हाथों में हुनर पैदा कर सके। संभव है, हाल-फिलहाल कोर्स की संख्या सीमित हो सकती है। इसके पीछे वजह सीमित संसाधन और प्रक्रियागत औपचारिकताएं हैं। मगर, संस्थान पाठ्यक्रमों की विविधता और उपलब्धता बढ़ाने का हर संभव उपाय करेगा, ऐसी प्रतिबद्धता है हमारी। कुछ ऐसी ही रचनात्मक सोच के साथ हमने इस पिछड़े इलाके में महाविद्यालय की नींव रखी है। अब आगे इसे बुलंद इमारत में बदलने का बहुत कुछ दारोमदार छात्र-छात्राओं के साथ ही अभिभावकों पर भी होगा। आप का विश्वास ही हमें ताकत देगा खुद को कसौटी पर खरा साबित करने की। आपके सहकार की आकांक्षा के साथ ही हम कदम-दर-कदम आगे बढ़ने के लिए कटिबद्ध हैं।

आपका
ओमप्रकाश तिवारी

संक्षिप्त परिचय

प्रिय स्वजनों,

माँ भगवती महाविद्यालय, बहिपरा, बदौली, हरदोई भगवती ग्रामोद्योग सेवा संस्थान हूँसेपुर (हरदोई) द्वारा संचालित संस्था है। यह संस्था हरदोई-सीतापुर मार्ग पर हरदोई से 23 कि०मी० दूर मुख्यमार्ग से मात्र 300 मी० की दूरी पर स्थित है।

यह संस्था हरदोई जनपद के विकास खण्ड अहिरोरी के अन्तर्गत स्थापित है। यह क्षेत्र शिक्षा की दिशा में अत्यधिक पिछड़ा क्षेत्र है। अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, आर्थिक कमजोर एवं लड़कियों की शिक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जनभावनाओं के अनुरूप प्रबन्ध समिति द्वारा अपने सीमित संसाधनों से अथक प्रयास करके वर्ष 2013 से संचालित किया जा रहा है। महाविद्यालय को विज्ञान वर्ग (B.Sc.) एवं कला वर्ग (B.A.) में सम्बद्धता प्राप्त है। आशा है कि जनभावनाओं के अनुसार महाविद्यालय संचालित होगा एवं क्षेत्रीय जनता का असीम सहयोग प्राप्त होगा।

इस महाविद्यालय का शिलान्यास स्व० श्री श्रीराम चन्द्र तिवारी हूँसेपुर द्वारा किया गया

-: हमारे उद्देश्य :-

- 1- छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना ।
- 2- उनमें नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना ।
- 3- उन्हें आदर्शों की शिक्षा देना ।
- 4- उन्हें भावी चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाना ।
- 5- उन्हें कुशल मार्ग निर्देशन प्रदान करना।
- 6- उन्हें श्रेष्ठ नागरिकता व राष्ट्रीयता की शिक्षा देना।
- 7- उन्हें राष्ट्र व क्षेत्र के गौरव से परिचित करना ।
- 8- क्षेत्रीय प्रतिभाओं को उभरने के पर्याप्त अवसर प्रदान करना ।
- 9- छात्र-छात्राओं को विषयनिष्ठ एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करके उन्हें जीविकोपार्जन के योग्य बनाना ।
- 10- सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से पिछड़े गरीब तथा साधनहीन छात्र-छात्राओं, सभी को आगे बढ़ने के अवसर देना।
- 11- चरित्रवान, संकल्पवान, परिश्रमी तथा मेधावी छात्रों का निर्माण करना ।
हमें आशा है कि समस्त छात्र/छात्राएँ महाविद्यालय कक्षाओं में नियमित उपस्थित रहकर मेहनत व लगन से अध्ययन करेंगे हमें अभिभावकों के सहयोग व प्रोत्साहन की भी आवश्यकता है जिससे हम अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकें तथा क्षेत्र में उच्च शिक्षा में अपनी पृथक गौरवमयी छवि का निर्माण कर सकें ।

-: परिसर तथा भवन :-

लगभग 6 एकड़ में फैले हुए महाविद्यालय परिसर में वर्तमान समय में कला संकाय एवं विज्ञान संकाय संचालित है। परिसर का वातावरण शान्त एवं अध्ययन के अनुकूल है।

- 1- महाविद्यालय में 27 शिक्षण कक्ष फर्नीचर आदि की सुविधाओं से युक्त है ।
- 2- अध्यापक कक्ष- समस्त शिक्षकों हेतु कक्ष निर्मित है।
- 3- प्रशासनिक भवन- प्राचार्य कक्ष, कार्यालय, आगन्तुक कक्ष निर्मित है ।
- 4- पुस्तकालय- महाविद्यालय का अपना पुस्तकालय है जिसमें संचालित विषयों हेतु अच्छी व प्रामाणिक पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं इसके अतिरिक्त सामान्य ज्ञान पुस्तकें,

- साहित्य की पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ नियमित रूप से उपलब्ध कराये जाते हैं।
- 5- प्रयोगशालाएँ- महाविद्यालय में गृह विज्ञान, भूगोल एवं भौतिक, रसायन जन्तु, वनस्पति की प्रयोगशाला है। जिसमें पर्याप्त संख्या में नवीनतम् तथा आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित एवं क्रियाशील हैं।
- 6- कॉमन रूम- छात्राओं के लिये कॉमन रूम की व्यवस्था की गई है।
- 7- खेलकूद- छात्र-छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु महाविद्यालय में आउटडोर तथा इनडोर गेम्स की समुचित व्यवस्था है। इनडोर गेम्स के अन्तर्गत शतरंज, कैरम आदि की व्यवस्था है। महाविद्यालय के विशाल क्रीडास्थल में फुटबॉल, बालीबॉल, हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन, कबड्डी आदि खेलों का प्रबन्ध है।

-: उपलब्ध पाठ्यक्रम :-

FACULTY OF Art (B.A. & Science (B.Sc.))

सीटे (स्थान) – B.A.	B.Sc.
विषय- 1- हिन्दी साहित्य	1- भौतिक विज्ञान
2- अंग्रेजी साहित्य	2- रसायन विज्ञान
3- समाजशास्त्र	3- गणित
4- शिक्षाशास्त्र	4- जन्तु विज्ञान
5- भूगोल	5- वनस्पति विज्ञान
6- गृह विज्ञान	
7- संस्कृत	
8- इतिहास	
9- राजनीति शास्त्र	

पर्यावरण अध्ययन (अनिवार्य विषय)

उक्त में से तीन विषयों के अतिरिक्त सभी छात्र-छात्राओं को पर्यावरण अध्ययन विषय पढ़ना अनिवार्य है। इसकी परीक्षा में 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना स्नातक उपाधि प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। ये अंक श्रेणी निर्धारण में नहीं जोड़े जायेंगे।

-: नियम एवं निर्देश :-

प्रवेश सम्बन्धी नियम :-

- 1- प्रवेश निर्धारित आवेदन पत्र पर ही स्वीकार होगा।
- 2- प्रवेश के लिए आवेदन पत्र का वितरण व जमा करने की तिथियों के विषय में जानकारी महाविद्यालय के सूचना पट तथा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
- 3- निर्धारित तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- 4- बी.ए., बी.एससी. में प्रवेश हेतु निम्नलिखित अर्हता आवश्यक है—
प्रवेशार्थी को इण्टरमीडियट अथवा समकक्ष किसी बोर्ड, जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो, की परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- ग- आवेदन पत्र के साथ निम्न प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य है—
 - ★ हाईस्कूल एवं इण्टरमीडियट परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रमाणित छायाप्रति ।
 - ★ अन्तिम शिक्षण संस्था का स्थानान्तरण एवं चारित्र प्रमाण-पत्र ।
 - ★ पिछड़ी/अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थी जाति प्रमाण-पत्र तथा आय प्रमाण पत्र ।
- 5- इण्टरमीडियट परीक्षा उत्तीर्ण किये हुए एक वर्ष गैप वाले अभ्यर्थियों को किसी भी संस्था में उस वर्ष प्रवेश न लेने का नौटैरी का शपथ पत्र तथा राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।
- 6- प्रवेश आवेदन पत्र तथा परिचय पत्र पर अभ्यर्थी अपनी समरूप पासपोर्ट साइज फोटो लगाएँ। साथ ही अभ्यर्थी के पास कम से कम उसकी आठ समरूप फोटो होनी चाहिये ।

आवेदन पत्र की प्रविष्टियाँ ठीक से भरकर आवश्यक प्रमाण पत्रों को

संलग्न करके निर्धारित तिथि के अन्दर कार्यालय में जमा करें। प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार प्रवेश समिति द्वारा किया जाता है। अतः प्रवेश हेतु अभ्यर्थी मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित तिथि व समय पर प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित हो।

प्रवेश शुल्क जमा होने पर ही प्रवेश पूर्ण माना जाएगा। प्रवेशार्थी द्वारा गलत सूचना देने अथवा सूचना छिपाने व बदलने पर अथवा किसी भी कारण से प्रवेश निरस्त करने का पूर्ण अधिकार महाविद्यालय प्रबन्ध समिति / प्राचार्य को होगा।

विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म छात्रों को बाद में कार्यालय से दिया जाएगा जिसे विधिवत भरकर कार्यालय में जमा करना होगा। यह उत्तदायित्व विद्यार्थी का होगा कि इस सम्बन्ध में आवश्यक सूचना स्वयं महाविद्यालय से प्राप्त कर परीक्षा फार्म समय पर जमा करे।

अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे फार्म, परिचय पत्र आदि सुन्दर हस्तलेख में भरें। ओवर राइटिंग और काटपीट कर फार्म गंदा न करें।

नोट :- प्रवेश होने के पश्चात किसी भी दशा में जमा किया गया शुल्क वापस नहीं होगा।

कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया :-

प्रवेश सम्बन्धी समस्त औपचारिकताओं के पूर्ण हो जाने के बाद महाविद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। इस सम्बन्ध में छात्र-छात्राएँ विषय के प्राध्यापकों से सम्पर्क कर कक्षा तथा समय की जानकारी प्राप्त कर लें। अपनी फीस रसीद तथा परिचय पत्र के साथ छात्र व्यक्तिगत से रूप अपने से सम्बन्धित विषय एवं कक्षा के प्राध्यापकों से मिलकर व्याख्यान रजिस्ट्रों में अपना नाम अंकित करवा लें।

उपस्थिति सम्बन्धी नियम :-

विश्वविद्यालय के नियमानुसार किसी भी छात्र/छात्रा को विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति तब तक नहीं मिलेगी जब तक वह अपने सम्बन्धित विषयों के व्याख्यान कक्षाओं में 75% उपस्थिति पूरी नहीं करता। इसके अतिरिक्त समस्त छात्र/छात्राओं को अर्द्धवार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर छात्रों को वार्षिक परीक्षा में बैठने से रोका जा सकता है। साथ ही ऐसे

छात्रों को छात्रवृत्ति एवं अन्य सुविधाओं से भी वंचित किया जा सकता है।

परिचय-पत्र सम्बन्धी नियम :-

- 1- पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया के उपरान्त ही छात्र-छात्रा को परिचय-पत्र उपलब्ध कराया जायेगा ।
- 2- परिचय-पत्र की सभी प्रविष्टियाँ भरकर तथा अपना फोटो चस्पा करके कार्यालय से व्यक्तिगत रूप से लिपिक तथा चीफ प्राक्टर के हस्ताक्षर करवाकर मुहर लगवा लें।
- 3- परिचय पत्र पर हस्ताक्षर कराने के समय शुल्क रसीद की मूल प्रति साथ में लाना अनिवार्य है।
- 4- बिना परिचय पत्र के महाविद्यालय में प्रवेश वर्जित माना जायेगा।
- 5- प्रत्येक छात्र-छात्रा को महाविद्यालय का प्रमाणित परिचय-पत्र अपने पास रखना अनिवार्य होगा। परिचय-पत्र खो जाने की स्थिति में निर्धारित शुल्क देकर द्वितीय प्रति परिचय-पत्र की प्राप्ति की जा सकेगी।

पुस्तकालय/वाचनालय सम्बन्धी नियम :-

- 1- बिना पुस्तकालय कार्ड के पुस्तकें निर्गत नहीं की जाएगी।
- 2- पुस्तकें मात्र एक सप्ताह के लिए निर्गत होगी।
- 3- एक सप्ताह के बाद पुस्तक वापस करने पर 5 रुपये प्रति सप्ताह के हिसाब से विलम्ब शुल्क देना होगा।
- 4- एक बार में 2 पुस्तकें ही निर्गत होगी ।
- 5- पुस्तक लेने से पहले भली भांति जांच लें कि पुस्तक सही दशा में है तथा इसका कोई पृष्ठ फटा नहीं है अन्यथा की स्थिति में छात्र स्वयं उत्तरदायी होगा।
- 6- पुस्तक के खोने व फटने की दशा में छात्र को नई पुस्तक का मूल्य देना होगा।

प्रयोगशाला सम्बन्धी नियम :-

- 1- छात्र प्रयोगशाला सहायक के सभी निर्देशों का विधिवत पालन करें ।
- 2- अध्यापक की अनुमति के बिना किसी भी उपकरण को न उठाए।
- 3- किसी भी उपकरण को प्रयोगशाला कक्ष के बाहर न लाए।
- 4- प्रयोग करते समय उपकरण या स्वयं होने वाली क्षति की जिम्मेदारी स्वयं छात्र की होगी।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा :-

विश्वविद्यालय के नियमानुसार अर्द्धवार्षिक परीक्षा अनिवार्य घोषित की गई है। प्रत्येक परीक्षा में सम्मिलित होना एवं न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। यदि कोई छात्र/छात्रा द्वारा परीक्षा में अनुपस्थित एवं अर्जित अंको में 33 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करता है तो उसे विश्वविद्यालय, वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान नहीं करेगा।

-: छात्रवृत्तियाँ :-

शासन द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्तियां नियमानुसार सामान्यवर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जातिध्वजजाति तथा अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों को महाविद्यालय में प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र छात्रों को प्रवेश फार्म के साथ ही उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही अन्य औपचारिकताएं जैसे बैंक में खाता खुलवाना, सम्बन्धित आवश्यक प्रपत्र जमा करना आदि छात्रों को स्वयं करना होगा।

छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र कालेज में निर्धारित तिथि के बाद किसी भी दशा में स्वीकार नहीं होंगे। अनुत्तीर्ण छात्रों तथा दण्डित छात्रों को छात्रवृत्ति देने पर विचार नहीं किया जाएगा।

निःशुल्क परामर्श एवं सुझाव :-

- 1- महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को रोजगार सम्बन्धी सूचनाएं प्रदान करने की व्यवस्था होगी। यह सहायता अनुभवी अध्यापकों द्वारा तथा निःशुल्क प्रदान की जाएगी।
- 2- छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्तियां आदि के विषय में जानकारी प्रदान की जाएगी।
- 3- व्यवसायी, सामाजिक सेवा संगठन एवं दान-दाताओं द्वारा निर्धन छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।
- 4- आवश्यकता पड़ने पर बाहर से भी परामर्शदाता आमन्त्रित किये जा सकते हैं।

महाविद्यालय की अन्य गतिविधियाँ

छात्र-छात्राओं के शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं सामाजिक विकास हेतु समय-समय पर महाविद्यालय पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों का आयोजन किया

जायेगा। खेलकूद, भाषण प्रतियोगिता, लेख प्रतियोगिता, राष्ट्रीय व पारम्परिक त्योहारों पर विभिन्न आयोजन, पर्यावरण संरक्षण के लिये वृक्षारोपण तथा सफाई आदि के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

-: अन्य आवश्यक निर्देश :-

- 1- महाविद्यालय परिसर में पान-पुड़िया खाना, विद्यालय परिसर में थूकना, धूम्रपान, नशा आदि करना वर्जित है।
- 2- महाविद्यालय परिसर को साफ-सुन्दर बनाए रखना व प्रदूषण न फैलाने का उत्तरदायित्व छात्र/छात्राओं का है।
- 3- विद्यार्थी अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा महाविद्यालय के कर्मचारियों के साथ अच्छा व्यवहार करें तथा उनका सम्मान करें।
- 4- प्राचार्य द्वारा समय-समय पर लागू किए गए नियमों का पालन करना अनिवार्य है।
- 5- महाविद्यालयों द्वारा आंतरिक प्रशासन के हित में किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश देने या न देने अथवा बिना कारण बताए प्रवेश निरस्त करने का पूर्ण अधिकार प्राचार्य को होगा।

अनुशासन

- 1- महाविद्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखने का दायित्व प्रत्येक प्राध्यापक, छात्र/छात्रा एवं कर्मचारी का होता है। यदि किसी छात्र या छात्रा द्वारा इसके विरुद्ध कार्य किया जाता है तो बिना कारण बताए उसे निष्कासित किया जा सकता है।
- 2- यदि कोई छात्र/छात्रा कोई तथ्य छिपाकर अथवा असत्य कथन के आधार पर प्रवेश लेता है तो उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।
- 3- यदि कोई छात्र/छात्रा असत्य सूचना / प्रमाण-पत्र देकर छात्रवृत्ति प्राप्त कर लेता है तो उससे छात्रवृत्ति वापस कर ली जायेगी।
- 4- प्रत्येक विद्यार्थी अपनी समस्या से अपने विभागाध्यक्ष, प्राचार्य या कार्यालय को अवगत करा सकता है।
- 5- महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र पिछली उत्तीर्ण कक्षा के अंकपत्र की मूल प्रति दिखवाकर कार्यालय से प्राप्त करना एवं जमा कर रसीद प्राप्त करना अनिवार्य है।

प्रवेश आवेदन-पत्र

माँ भगवती महाविद्यालय

बहिपरा, बदौली, हरदोई

फार्म सं०

सत्र : 20..... – 20.....

प्रवेश सं०.....

प्रवेश तिथि.....

नोट : अपूर्ण फार्म पर प्रवेश हेतु विचार नहीं किया जायेगा।

LURN No. :

महाविद्यालय में जिसके अन्तर्गत प्रवेश लेना है :- कक्षा **B.A./B.Sc.**

सेमेस्टर

चयनित विषय :-1.....2.....3.....4.....

1. प्रवेशार्थी का नाम (हाईस्कूल प्रमाण पत्र के अनुसार)

हिन्दी में.....
अंग्रेजी में.....

2. जन्मतिथि (हाईस्कूल प्रमाण पत्र के अनुसार).....

3. पिता का नाम (हिन्दी में).....
(अंग्रेजी में).....

4. माता का नाम (हिन्दी में).....
(अंग्रेजी में).....

5. जाति.....जाति वर्ग.....धर्म.....नागरिकता.....

6. पत्र व्यवहार का पता.....
..... फोन -1.....-2.....

7. स्थायी पता.....

8. पिता का व्यवसाय एवं आय.....

9. अन्तिम शिक्षण संस्था का नाम.....

शैक्षिक योग्यता का विवरण :-..... अभ्यर्थी का आधार नं०.....

परीक्षा का नाम	अनुक्रमांक	उत्तीर्ण वर्ष	बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	पूर्णांक	प्राप्तांक	प्रतिशत	श्रेणी
हाईस्कूल							
इण्टरमीडिएट							
स्ना. प्रथम सेमेस्टर							
स्ना. द्वितीय सेमेस्टर							
स्ना. तृतीय सेमेस्टर							
स्ना. चतुर्थ सेमेस्टर							
स्ना. पंचम सेमेस्टर							
स्ना. षष्ठम् सेमेस्टर							
स्ना. सप्तम् सेमेस्टर							

हस्ताक्षर लिपिक

माँ भगवती महाविद्यालय, बहिपरा, बदौली (हरदोई)

फार्म सं०

छात्र/छात्रा का नाम.....

पुत्र/पुत्री.....

का कक्षा.....सेमेस्टर.....में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र प्राप्त किया।

1.2.....3.....4.....

प्रवेश सं०.....

प्रवेश तिथि.....

जमाकर्ता के हस्ताक्षर